हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 180 | देहरादून, मंगलवार, 09 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

राजाजी नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व के 2 वन अधिकारियों सहित 4 की मौत 3

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दीदी भुली महोत्सव का किया शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी , 9 जनवरी , प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को समर्पित 'दीदी-भुली महोत्सव' में शामिल होने जब उत्तरकाशी पहुंचे तो यहां मुख्यमंत्री धामी ने एक बड़ा रोड शो किया। सीएम धामी ने पेट्रोल पंप बस स्टैंड से भटवाड़ी रोड, भैरव चौक, कोर्ट रोड, हनुमान चौक होते हुए रामलीला मैदान तक रोड शो किया।

मुख्यमंत्री ने 240 करोड़ से अधिक लागत की योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिनमे उत्तरकाशी जिले के विकास के लिये 57 करोड़ 38 लाख की लागत की 24 योजनाओं का शिलान्यास करने के साथ ही 45 करोड़ 37 लाख की लागत की 38 योजना का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यूजेवीएन लिमिटेड के तिलोथ विद्युतगृह के नवीनीकरण, उच्चीकरण एवं पुनरोद्धार (आर.एम.यू.) कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। मुख्यमंत्री ने शक्ति माता और बाबा विश्वनाथ मंदिर में किए दर्शन.दीदी भुली महोत्सव में शिरकत करने पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में माँ शक्ति और बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना कर राज्य की खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीदी भुली महोत्सव में शिरकत कर डुंडा और बगोरी क्षेत्र के पारंपरिक ऊन की कताई करने वाले चरखा को चलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने करीब ऊन की कताई कर पारंपरिक ऊनी वस्त्रों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। साथ ही डुंडा और बगोरी से पहुंची महिलाओं को चरखा चलाने और ऊन कताई की जानकारी ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दीदी भुली महोत्सव में वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट में हाल ही में देश में दूसरे स्थान का सम्मान पाने वाले लाल धान की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लाल धान का उत्पादन करनी वाली महिलाओं ने मुख्यमंत्री को लाल धान की बाली भेंट की। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के साथ लाल धान की कुटाई पारंपरिक ओखली यानी उलख्यारे में गिंज्याली (मूसल) थामकर की है। साथ ही लाल धान के चूड़ा बनाने की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने 15 महार रेजीमेंट के पूर्व सैन्य अधिकारियों को किया सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 15 महार रेजिमेंट के 54 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में रेजिमेंट के पूर्व सैन्य अधिकारियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन में पिताजी से महार रेजिमेंट के वीर सैनिकों की शौर्य गाथाओं के बारे में सुनकर उनके मन में उत्साह और उमंग की भावना पैदा होने लगती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन सेना के साथ बीतने के कारण उन्होंने जीवन में अनुशासन फौज से ही सीखा है। आपसी सद्भाव व सम्मान व सहयोग की भावना हमारी सेना की पहचान है। इस अवसर पर अपने स्व. पिता को याद कर मुख्यमंत्री भावुक नजर आये।

मुख्यमंत्री ने 15 महार रेजीमेंट के पूर्व सैन्य अधिकारियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वह सेना में तो नहीं हैं परन्तु वीर सैनिकों को अपना आदर्श मानकर राष्ट्र सेवा में अपना यथासंभव योगदान

देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के सैन्य कौशल और पराक्रम का इतिहास महार रेजिमेंट के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हमारे प्रत्येक सैनिक की वीरता, साहस और बलिदान पर हर एक नागरिक को गर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महार रेजिमेंट विविधता का प्रत्येक सैनिक भारत की महान संस्कृति व गौरवशाली सैन्य परंपरा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सेना का मान और सम्मान बढ़ा है। हमारे वीर सैनिक अब दुश्मन को उसके घर में घुस कर जवाब दे रहे हैं। जब भी दुश्मन ने ललकारा है भारत ने उसे मुंह तोड़ जवाब दिया है। भारत वैश्विक मंचों पर पूरी दृढ़ता और अपने हितों को सर्वोपरि रखते हुए अपनी बात रख रहा है। आज सेना के आधुनिकीकरण को भी एक नया आयाम दिया जा रहा है और डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर सड़कों का विकास, औद्योगिक एवं पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। जौलीग्रांट एवं पंतनगर हवाई अड्डों का विस्तार किया जा रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन शीघ्र ही पहाड़ों में रेल पहुंचाने का सपना साकार करने वाली है। राज्य का आर्थिक विकास हो इस दिशा में भी प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य में आयोजित किये गये वैश्विक निवेश सम्मेलन से इसके और अधिक मजबूत आधार तैयार करने में मदद मिली है। हमारा प्रदेश सैन्य पृष्ठभूमि का प्रदेश है। सैनिकों के कल्याण के लिये राज्य सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी कदम उठाये गये हैं। इस अवसर पर पूर्व सैन्य अधिकारी सू.मे. प्रद्युम्न सिंह, आ. कै. सूरज मणि, कै. भानी चंद, सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

55 के पार, जिन्दगी रहेगी जानदार, अपनाये ये हेल्थ टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , जैसे- जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, शरीर कमजोर होने लगता है। इसके चलते धीरे-धीरे कई बीमारियां पैदा हो जाती हैं। जो लोग सालों से किसी बीमारी से परेशान हैं , उनकी स्थिति और बदतर होने लगती है। इसलिए बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ पर ध्यान देना जरूरी होता है। उम्र बढ़ना तो प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे रोकना हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन जिन्दगी जीनी है, काटनी है या घसीटनी है इसका फैसला हमारे हाथों में है। अगर कोई शख्स सही रूटीन, स्वस्थ खानपान के साथ हर दिन गुजारे , तो बढ़ती उम्र में बीमारियां इतना परेशान नहीं कर पातीं। अगर आपकी उम्र भी 55 वर्ष हो गई है, तो बस आपको अपनाने हैं कुछ आसान से उपाय। जिन्हें अगर आप अपनी जिन्दगी का हिस्सा बना लें, तो इस उम्र में भी आप खूब फिट और हेल्दी रह सकते हैं।

रोजाना एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज केवल युवाओं के लिए नहीं है। बल्कि 55 साल के लोग भी एक्सरसाइज करके खुद को फिट रख सकते हैं। सबसे अच्छा तरीका है किसी फिटनेस ट्रेनर की मदद लें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, कार्डियोवस्कुलर, फ्लेक्सिबिलिटी, स्ट्रेंथ, और बैलेंस एक्सरसाइज को अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल करने से एक्टिव रहने में मदद मिल सकती है। साथ ही वेट भी मेंटेन रहता है, जिससे ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी बीमारियों नियंत्रण में रहती हैं।

वो काम करें, जिसमें मजा आए

बढ़ती उम्र में फिट और हेल्दी रहने का एक और अच्छा तरीका है अपनी इच्छाओं का भरपूर आनंद लेना। आपको जिस चीज में आनंद आता है, वहीं काम करें। आप चाहें तो सर्फिंग कर सकते हैं या फिर, स्वीमिंग, डांसिंग, गार्डनिंग, स्पोटर्स, सैर आदि का आनंद ले सकते हैं। कुल मिलाकर जो काम आपको खुशी देता है, वो सब करें, कल के लिए ना छोड़ें।

सोशल नेटवर्क बढ़ाएं

55 की उम्र के ज्यादातर लोग अकेलेपन से जूझते हैं। इसका सीधा सा कारण है कि वे लोगों से दूरी बना लेते हैं। उनकी यह आदत उन्हें अकेला और बीमार महसूस कराती है। इसलिए आगे बढ़कर लोगों से मिलें जुलें, बातचीत करें।

सामाजिक जुड़ाव आपकी मेंटल हेल्थ को दुरुस्त बनाए रख सकता है।

स्ट्रेस मैनेज करें

तनाव हर उम्र में होता है। उम्र बढ़ने के साथ ही यह हमारे दिल और दिमाग पर भी हावी होने लगता है। ऐसे में हर किसी को स्ट्रेस मैनेज करना आना चाहिए। 55 के बाद तनाव को अपना दुश्मन मानें और इसे दूर करना है यह संकल्प लें। आप जितना ज्यादा तनाव से दूर रहेंगे, उतना ज्यादा हल्दी और एक्टिव फील करेंगे। स्ट्रेस को मैनेज करने के लिए आप योग, मेडिटेशन का सहारा ले सकते हैं।

अच्छी नींद लें

55 साल की उम्र के बाद, स्वस्थ रहने के लिए आपको अच्छी और ज्यादा नींद लेने की जरूरत होती है। डॉक्टर्स भी हर रात सात से नौ घंटे की नींद लेने की सलाह देते हैं। बता दें कि बहुत कम नींद टाइप 2 डायबिटीज , हृदय रोग, मोटापा और अवसाद सहित पुरानी बीमारियों से जुड़ी हुई हैं। इसलिए सोने और जागने का समय एक समान बनाए रखें और सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन से बचें। सुकून की नींद लेने के लिए ये दो चीजें बहुत जरूरी हैं।

हेल्दी डाइट लें

बढ़ती उम्र में बीमारियों को बाय बाय कहना है, तो अपने आहार पर ध्यान देना जरूरी है। 55 की उम्र के बाद शरीर में कई बदलाव होते हैं। ऐसे में हर चीज शरीर को सूट हो, यह जरूरी नहीं। इसलिए आहार से कुछ चीजें बनानी पड़ती हैं, वहीं कुछ हेल्दी चीजों को शामिल करना पड़ता है। ध्यान रखें कि आप जो भी खाएं , हेल्दी और पोषक तत्वों से भरपूर हो। क्रॉनिक डिजीज को मैनेज करने और मानसिक व भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए ताजे फल, सब्जियों के साथ लो फैट फूड को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

2024 के इन 5 त्योहारों पर रोटी बनाना महंगा पड़ेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , सनातन धर्म में माता अन्नपूर्णा को अन्न की देवी के रूप में पूजा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुछ ऐसे दिन हैं जब न चावल बनाना प्रतिबंधित है. लेकिन क्या आपको पता है कि 5 ऐसे मौके भी हैं जिसमें भूलकर भी अपने घर में रोटी (Roti Ke Niyam) नहीं बनानी चाहिए. इन बातों को नजरअंदाज करने से मां अन्नपूर्णा और मां लक्ष्मी नाराज हो जाती है. जैसे की नए साल 2024 की शुरुआत हो चुकी है. तो चलिए जानते हैं कि 2024 में किस-किस दिन चूल्हे पर तवा चढ़ाना अशुभ रहेगा.

1. मकर संक्रांति

साल 2024 में मकर संक्रांति का त्योहार 15 जनवरी, सोमवार के दिन मनाया जाएगा. मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी खाना शुभ होता है और इसे दान भी करना चाहिए. इस दिन रोटी बनाने की मनाही होती है, ऐसा करने से घर में चीजें खराब हो जाती हैं.

शीतलाष्टमी

माता शीतला माता के लिए साल 2024 में 02 अप्रैल, मंगलवार के दिन व्रत रखा जाएगा. इस दिन मां को बासी खाना यानी ठंडे खाने का भोग लगाया जाता है. इसलिए इस दिन घर में चूल्हा जलाना शुभ नहीं होता. यही कारण है, कि शीतला अष्टमी के दिन भी रोटी नहीं बनाई जाती है.

Makar Sankranti 2024: मकर संक्रांति पर बन रहा रवि योग, शुभ मुहूर्त में इन चीजों का दान करने से चमकेगा भाग्य

नाग पंचमी

नाग पंचमी का त्योहार इस साल 09 अगस्त, शुक्रवार के दिन मनाया जाएगा. इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है. इस दिन रोटी नहीं बनानी चाहिए क्योंकि तवे को नाग का प्रतिरूप माना जाता है. इस दिन भोग लगाने के लिए हलवा बनाया जाता है. ऐसा ना करने से घर में नकारात्मकता आती है.

4. शरद पूर्णिमा

साल 2024 में शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर को मनाई जाएगी. इस दिन चंद्रमा और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता लक्ष्मी से जुड़े त्योहारों पर रोटी नहीं बनानी चाहिए. इसलिए इस दिन भी चूल्हे पर तवा नहीं चढ़ता है.

5. दीपावली

दिवाली के दिन भी विशेष रूप से मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है. घर में लक्ष्मी के आगमन के लिए ये त्योहार मनाया जाता है. ऐसे में इस दिन भी घर पर रोटी नहीं बनानी चाहिए. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दिवाली के दिन रोटी बनाने से मां लक्ष्मी की कृपा घर पर नहीं रहती है. इस साल ये दिन 01 नवंबर, शुक्रवार को पड़ रहा है.

बंद कर दीजिए इन 4 तरह से हंसना, वरना ....

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , कहते हैं हंसी हर मर्ज की दवा है। हंसते हुए हम बड़ा से बड़ा दुख भी दूर कर सकते हैं। किसी के हंसने से ही पता चल जाता है कि उसके मन में क्या चल रहा है। कई बार हंसी दिल में छुपे जख्म को भी बाहर ले आती है। वास्तव में हंसना और खुश रहना स्वस्थ जीवन के लिए अच्छा है, लेकिन कभी-कभी हंसी पर नियंत्रण खोना खतरनाक है। कुछ लोग हंसते समय बेहोश हो जाते हैं या उन्हें ठसका लग जाता है, फिर भी हंसी को कंट्रोल नहीं कर पाते। जिन लोगों को पहले से कोई मेडिकल कंडीशन है, तेज हंसी उनके लिए नुकसानदायक है। अगर आप भी तेज आवाज में हंसते हैं, तो यह आपको कई तरह की बीमारियां दे सकती है। यहां हम आपको हंसने के उन 4 तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जो आपके लिए नुकसानदायक हैं।

घुटन

बहुत ज्यादा हंसने से आपको सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। कहने का मतलब यह है कि इस तरह से हंसने के बीच आपको पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती है। हालांकि हंसने से दम घुटने या कार्डियक अरेस्ट के कारण मौत के मामले सामने आए हैं, लेकिन यह स्वस्थ लोगों के लिए मौत का एक असंभावित कारण है।

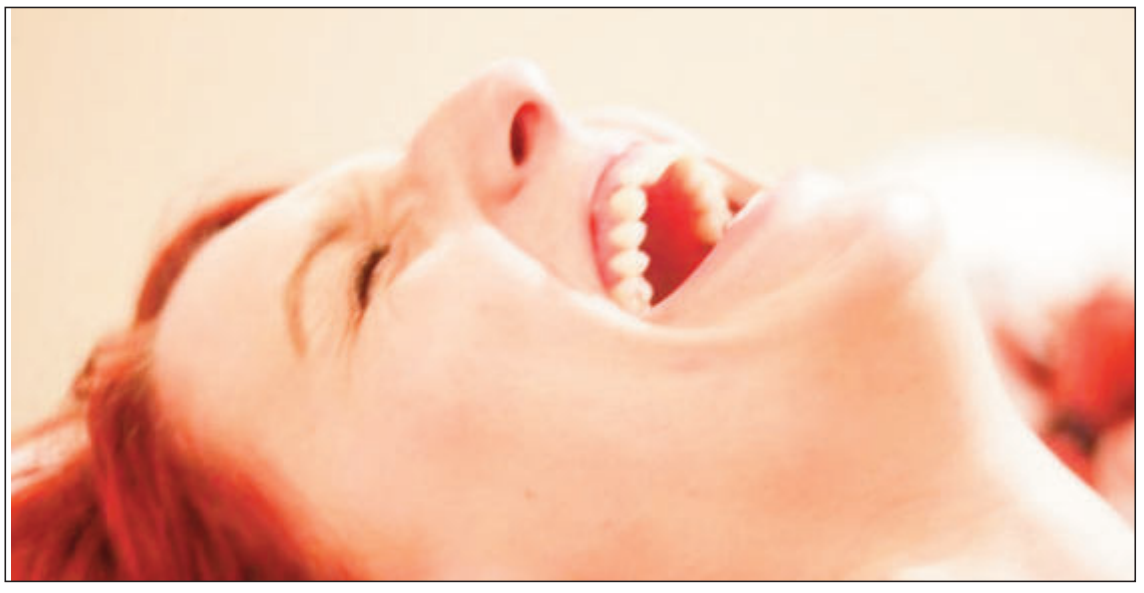

अस्थमा अटैक का रिस्क

तेज हंसी या तेज रोना अस्थमा अटैक का कारण बन सकता है। यूनाइटेड नेशन के अस्थमा एंड लंग चैरिटी के अनुसार अलग-अलग भावनाओं के प्रति आपके शरीर की प्रतिक्रिया आपके सांस लेने के तरीके को बदल देती है। जब आप भावुक महसूस करते हैं, तो आप तेज़ और गहरी सांसें लेना शुरू कर देते हैं। इसे हाइपरवेंटीलेटिंग कहा जाता है। यह आपके वायुमार्ग को संकुचित कर सकता है, जिससे खांसी, घरघराहट, सांस फूलना या सीने में जकड़न जैसे अस्थमा के लक्षण पैदा हो सकते हैं।

कैटेपलेक्सी

उत्तेजना वाली हंसी हंसने से व्यक्ति कैटाप्लेक्सी का शिकार हो सकता है। कैटाप्लेक्सी एक ऐसी स्थिति है जहां आप एक्टिव तो होते हैं, लेकिन अपनी मांसपेशियों को हिलाने में असमर्थ होते हैं। हंसी से बेहोशी हो सकती है। बेहोशी एक ऐसी स्थिति का परिणाम है जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक ओवर एक्साइटेड रहता है। इस एक्साइटमेंट के कारण ही सांस लेने की गति असामान्य रूप से तेज हो जाती है।

इंफेक्शन होता है

एक्सपर्ट कहते हैं कि बिना किसी वजह के तेज हंसते वक्त आप ज्यादा हवा अंदर खींच लेते हैं, जिससे इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है। कई बार बिना जायज वजह के हंसने से ब्रेनटयूमर भी हो सकता है।

हो सकता है मसल पैरालिसिस

हंसने से मसल्स पैरालिसिस हो सकता है। डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के हर 2000 लोगों में से 1 को यह समस्या है। इसे नार्कोप्लेक्सी कहते हैं। इसमें हंसने पर व्यक्ति के शरीर की मांसपेशियां खिंचने लगती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेज हंसने या गुस्सा करने से शरीर के कुछ हिस्सों की मांसपेशियां सुन्न पड़ जाती हैं।

डॉक्टर को कब दिखाएं

हेल्थलाइन के अनुसार, बहुत ज़ोर से हंसना कुछ लोगों के लिए समस्याएं पैदा कर सकता है। अगर आपमें लाफिंग अटैक से पहले या बाद में सिरदर्द, चक्कर आना, मानसिक भ्रम की स्थिति या सांस लेने में तकलीफ जैसे कोई भी असामान्य लक्षण दिखें, तो डॉक्टर को दिखाना महत्वपूर्ण है।

राजाजी नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व के 2 वन अधिकारियों सहित 4 की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 जनवरी , उत्तराखंड में एक बड़ा हादसा हो गया है। राजाजी नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व को मिली नई गाड़ी का ट्रायल करते हुए अचानक टायर फट गया। इससे उसमें सवार दो वन अधिकारियों समेत चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। लक्ष्मणझूला पुलिस थाने के प्रभारी रवि कुमार सैनी ने बताया कि दुर्घटना में एक महिला वन अधिकारी वाहन से निकलकर चीला नहर में गिरने से लापता हो गई हैं।

पुलिस ने बताया कि यह घटना चीला बिजलीघर के आगे उस वक्त हुई जब वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से भरी गाड़ी पेड़ से टकरा गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आठ व्यक्तियों को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश पहुंचाया। इनमें से चार को चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया, जबकि चार अन्य घायल हो गए।

मृतकों में चीला के वन रेंजर शैलेश घिल्डियाल, इको टूरिज्म रेंजर प्रमोद ध्यानी, सैफ अली खान और कुलराज सिंह शामिल हैं। घटना में डॉ राकेश नौटियाल, हिमांशु गोसाई, अमित सेमवाल और अंकुश घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। राजाजी पार्क की वन्यजीव प्रतिपालक आलोकी देवी लापता हैं। तलाश के लिए राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), फायर सर्विस, जल पुलिस और स्थानीय पुलिस की मदद से चीला नहर में राफ्टिंग के साथ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

मंत्री गणेश जोशी ने विद्युत टैरिफ निर्धारण के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक ली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 जनवरी : मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश की फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को कृषि के दर पर विद्युत उपलब्ध कराने का शासनादेश जारी किया गया था किन्तु इस शासनादेश का अनुपालन न होने की शिकायतें प्राप्त हो रहीं हैं। उन्होंने बताया कि काशीपुर स्थित मेगा फूड पार्क में 22 इंडस्ट्रियां स्थापित होनी थी परन्तु अभी तक सभी उद्योग की इकाईयां स्थापित नहीं हो पायी हैं। उन्होंने कहा कि कुछ इंडस्ट्रियों को मिलने वाली विद्युत टैरिफ की दरों में अनियमितताओं के संबंध में अधिकारियों को शासनादेशों का अध्ययन करने के पश्चात प्रस्ताव को कैबिनेट में प्रस्तुत किया जाए।

मंत्री ने कहा कि मेगा फूड पार्कों के माध्यम से हमारी कृषि उपजों की खपत बढ़ेगी तथा राज्य

के लोगों को रोजगार उपलब्ध हो पायेगा। उन्होंने कहा कि मेगा फूड पार्क के संबंध में आ रही शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान निकाला जायेगा। इस अवसर पर सचिव, कृषि, विनोद कुमार सुमन, महानिदेशक, कृषि, रणवीर सिंह चौहान तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम अध्यक्षता में हुआ जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन, 120 शिकायतें दर्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आज 120 शिकायतें आई, जिसमें अधिकतर शिकायतें भूमि सम्बन्धित प्राप्त हुई, इसके अतिरिक्त शिक्षा,जल संस्थान, जल निगम, सिंचाई, पंचायतीराज,नगर निगम, एमडीडीए, पेंशन प्रकरण, जीपीएफ भुगतान, आपसी विवाद आदि शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने नगर निगम क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम के अधिकारियों अतिक्रमण की शिकायतों पर मौका मुआवना करते कार्यवाही करें।

विकासखण्ड रायपुर के ग्रामवासियों/कृषकों द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में हुई अनियमितता पर समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच रिपोर्ट शासन को प्रषित करते हुए दोषी अधिकारी के विरूद्ध विभाग द्वारा निलम्बन की कार्यवाही हो पाई, जिसके लिए किसानों के शिष्टमण्डल दल (ग्राम सिल्ला सरोना किशोरी, हंसराम उनियाल, लोकेन्द्र प्रसाद, एवं ग्राम रामनगर डांडा निवासी चन्द्रप्रभा) द्वारा इस प्रकरण पर त्वरित जांच कराते हुए कार्यवाही किये जाने पर जिलाधिकारी एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त किया। ज्ञातब्य है कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में हुई गंभीर अनियमितता की यह शिकायत 30 अक्टूबर को आयोजित जनसुनवाई में प्राप्त हुई थी, जिस पर जिलाधिकारी ने समिति गठित करते हुए जांच कराई, जांच में पाया गया कि उक्त शिकायत सही है, जिस पर शासन को समिति की रिपोर्ट संलग्न कर कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया गया।

जनसुनवाई में महिमाकृषण. उनियाल, निवासी जोगीवाला माफी द्वारा शिकायत की गई की उनकी भूमि पर प ोसियों द्वारा कब्जा किया जा रहा है, जिसकी कई बार शिकायत करने पर भी समाधान नहीं हो पाया, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को मौके पर टीम भेजते हुए जांच कर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। गजल्वा ी में सरकारी भूमि पर कब्जा किये जाने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी सदर को कार्यवाही के निर्देश दिए। छरबा में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर उप जिलाधिकारी विकासनगर को कार्यवाही के निर्देश दिए। ब ?कोट में पुस्तैनी मकान पर परिजन द्वारा धोखे से अपना नाम स्वामित्व योजना के अन्तर्गत अभिलेखों जो ?ने की शिकायत की गई जिस पर तहसीलदार ऋषिकेश को कार्यवाही के निर्देश दिए। राजपुर क्षेत्र में नगर निगम भी भूमि पर अतिक्रण किये जाने, घर के आगे वाहन पार्क करने तथा एक क्लब द्वारा देर रात्रि तक गाने बजाने, शराब पिलाने की शिकायत पर नगर निगम, तहसीलदार सदर, आबकारी विभाग एवं पुलिस को कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी प्रकार एक पेंशनर जो शासन से 3 वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं की पेंशन नही मिल पा रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने शासन को अनुरोध पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। वहीं एक महिला जिनके पति की मृत्यु हो गई है के जीपीएफ का भुगतान नही हो पाया है, जिस पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को पेंशन एवं कार्मिकों के देयकों के प्रकरणों पर स्वयं मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

देहरादून में डराने लगा इन्फ्लुएंजा, 2 दिन में 10 पहुंची पीड़ितों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 जनवरी : सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की कोविड और इन्फ्लूएंजा की जांच की जा रही है। बीते दिन कोविड की 63 जांच हुईं। सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव है। वहीं, इन्फ्लुएंजा के चार नए मरीज मिले हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इनमें एक बुजुर्ग और तीन वयस्क हैं।

जिला सर्विलांस अधिकारी ने बताया कि बीते दिन इन्फ्लूएंजा के चार मरीज मिले हैं। इसमें एक मरीज इंदिरेश अस्पताल, एक मरीज कैलाश अस्पताल और दो मरीज दून अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन सभी मरीजों के इन्फ्लुएंजा-ए पॉजिटिव होने की जानकारी दी है। मरीजों की एच-1 एन-1 रिपोर्ट पॉजिटिव के बारे में रिपोर्ट जारी नहीं की गई है।

इन दिनों कोविड के साथ ही स्वाइन फ्लू का खतरा भी बढ़ गया है। मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों को इन्फ्लुएंजा-ए पॉजिटिव

ही बताया जा रहा है। जबकि इन्फ्लुएंजा पॉजिटिव आने पर इन्फ्लूएंजा के सब टाइप की जांच की जाती है। इन्फ्लूएंजा के सब टाइप स्वाइन फ्लू को प्रेजेंट करते हैं। जिले में इन्फ्लूएंजा के छह मरीज मिले थे। यह सभी मरीज अस्पतालों में भर्ती किए गए थे। जिले में रोजाना इन्फ्लूएंजा के मरीज बढ़ रहे हैं। पिछले दो दिन में 10 मरीज मिल चुके हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री नैथानी को कोऑर्डीनेटर बनाये जाने पर हर्ष व्यक्त किया

विकासनगर। लोकसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी को टिहरी लोकसभा सीट का समन्वयक नियुक्त किया है। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। मंत्री प्रसाद को जमीन से जुड़ा नेता बताते हुए कहा कि इससे पार्टी को पूरे लोकसभा क्षेत्र में लाभ मिलेगा। इस साल होने वाले आम चुनाव को लेकर सियासी दलों ने तैयारी तेज कर दी है। टिहरी लोकसभा के लिए मंत्री प्रसाद नैथानी को समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई है। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विकास शर्मा ने कहा कि पूर्व मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी जमीन से जुड़े नेता हैं।

प्रभु श्री राम लला प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

21 जनवरी को गीता भवन मंदिर में होगा भव्य आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। विभिन्न व्यापारी सगठनों ने एक पत्रकार वार्ता कर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से 22 जनवरी 2024 को रामलला प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के दिन सार्वजनिक अवकाश करने की घोषणा की। एक पत्रकार वार्ता में डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने बताया कि उपरोक्त के संदर्भ में सभी व्यापारी आज प्रेस के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी उत्तराखंड के संज्ञान में लाना चाहते हैं की उपरोक्त तिथि को 500 साल के थकाने वाले लम्बे संघर्ष व अनगिनत बलिदानों के बाद प्रभु श्री राम जी के मूल जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का उद्घाटन एवम प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने जा रहा है। ज्ञातव्य हो कि यह समारोह सनातन धर्म के इतिहास तथा इस सदी का सबसे बड़ा समारोह होगा।

सभी व्यापारी , कर्मचारी भी इस समारोह को आनन्द पूर्वक, सुगमता पूर्वक बिना किसी बाधा के मना सके , इसके लिए हम आपके माध्यम से अनुरोध करते है की इस महादिन को माननीय मुख्यमंत्री जी से सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की अपील करते हैं। इस संबंध में बहुत जल्द हम माननीय मुख्यमंत्री जी को भी एक ज्ञापन देंगे।हम सबको आपको बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि प्रभु राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व संध्या अर्ताथ दिनांक 21 जनवरी दिन रविवार को हम श्री गीता भवन मंदिर राजा रोड पर अपने सदस्य एवं उनके परिवारों के लिए बहुत ही भव्य कार्यक्रम जिसमें संगीत मय सुंदर कांड उदित -अनुभव नारायण (सेलाकुई) द्वारा किया जाएगा। अपने नगर वासी प्रदेशवासी और देशवासियों के मंगल कामना हेतु 2100 दीपदान का आयोजन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जो बच्चे हमारे बीच में पहुंचेंगे उन सभी के लिए श्री रामायण जी के ऊपर एक चित्र कला प्रतियोगिता रखी जा रही है। इस कार्यक्रम में करीब 600 सदस्यों एवं उनके परिवार के उपस्थित रहने की उम्मीद है। कार्यक्रम के पश्चात प्रसादम की व्यवस्था भी श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं उनके सहयोगी संस्थाओं द्वारा की जा रही है।

पत्रकार वार्ता में डिस्ट्रीब्यूटर्स ऑफ उत्तराखंड सेविवेक अग्रवाल (अध्यक्ष) कमलजीत शर्मा महामंत्री अजय गर्ग कोषाध्यक्ष संरक्षक राजेश सिंघल, संजीव अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक सिंघल युवा व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन से मनोज गोयल अध्यक्ष के साथ महामंत्री अभिषेक गोयल अनुज गोयल अजय गुप्ता जनरल मर्चेंट एसोसिएशन से महावीर प्रसाद गुप्ता अध्यक्ष महामंत्री अशोक ठाकुर सुरेंद्र गोयल राजकुमार अरोड़ा दर्शनी गेट बाबूगंज व्यापार मंडल दीपक गुप्ता अध्यक्ष महामंत्री अजय अग्रवाल कोषाध्यक्ष आयुष जैन आदि उपस्थित रहे श्री गुरु राम राय दुकानदार समिति अध्यक्ष विशाल अग्रवाल एवं विभोर मित्तल नितिन सक्सेना आदि उपस्थित रहेसीताराम शिवालय मूल चन्द एनक्लेव आई० एस० बी० टी० देहरादूनअध्यक्ष राजेश सिंघल इसके अलावा शहर की कई व्यापारिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष एवं मंत्री के साथ प्रेस वार्ता में उपस्थित रहे।

चलती ट्रेन में झगड़ा हो जाए तो कौन देखेगा, जीआरपी या आरपीएफ : जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 जनवरी : ट्रेन में अगर दो व्यक्तियों के बीच झगड़ा हो जाए तो सबसे अहम सवाल होता है कि शिकायत कहां करें. वैसे तो जहां भी पुलसिकर्मी दिख जाएं, वहीं शिकायत कर देनी चाहिए. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर पुलिस इसकी जांच नहीं कर सकती. हमें लगता है कि जीआरपी या आरपीएफ किसी से भी शिकायत कर दो. मगर दोनों के अधिकार अलग-अलग हैं. कानून के मुताबिक, प्रारंभिक सूचना मिलने पर जो भी पुलिस फोर्स पहले वहां पहुंचे, उसे कार्रवाई करनी होती है. लेकिन जीआरपी का अधिकार क्षेत्र अलग है और आरपीएफ का अलग. हर ट्रेन यात्री के लिए इसके बारे में जानना जरूरी है, ताकि ऐसे हालात में उसे पता हो कि शिकायत कहां करनी है.

उत्तर मध्य रेलवे ने इसके बारे में विस्तार से बताया गया है. रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स या आरपीएफ भारतीय रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा और यात्री क्षेत्र के बेहतर संरक्षण के लिए गठित की गई है. इसका काम रेलवे संपत्ति पर गैर-कानूनी कब्जे को रोकना, इससे जुड़े मामलों की जांच करना शामिल है. रेलवे में महिलाओं के लिए निर्धारित डिब्बों में अनाधिकृत प्रवेश, रेलवे की छत पर यात्रा, अनधिकृत वेंडिंग, दलाली, आदि से संबंधित मामलों से निपटने का काम RPF का होता है. लेकिन कानून के तहत गिरफ्तारी की शक्ति जीआरपी यानि राजकीय रेलवे पुलिस के हाथों में होती है. मौजूदा समय में देश में 12 बटालियन काम कर रही हैं.

रेलवे के क्षेत्र में गश्त लगाती जीआरपी

जीआरपी यानी राजकीय रेलवे पुलिस भारतीय

रेलवे का पुलिस बल है. जीआरपी रेलवे के क्षेत्र में गश्त लगाती है और सुरक्षा सुनिश्चित करती है. सुरक्षा प्रदान करना और ट्रेन में हुए अपराधों की जांच करना इसके अधिकार क्षेत्र में आता है. रेल यात्रियों पर कंट्रोल, भीड़भाड़ को नियंत्रित करना, स्टेशन परिसर के भीतर वाहन यातायात को नियंत्रित करने, अपराधियों को गिरफ्तार करना आदि काम जीआरपी के अधीन होता है।

हत्या जैसा अपराध होने पर क्या होगा

हत्या या ऐसा कोई गंभीर अपराध होने पर जीआरपी मामला स्थानीय पुलिस को सौंप देती है. रेलवे परिसर में अथवा चलती रेलगाड़ी में किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार सिर्फ जीआरपी को होता है. यदि आरपीएफ उस झगड़े को देख रही होती है तो उसे अगले स्टेशन पर दोनों झगड़ालू व्यक्तियों को अथवा अभियुक्त को जीआरपी के हवाले करना होगा. मोटे तौर पर जीआरपी का हर एक बड़े रेलवे स्टेशन पर एक थाना होता है जबकि आरपीएफ के सिर्फ सिक्योरिटी पोस्ट या ड्यूटी रूम होता है।

मछली का तेल क्यों माना जाता है ताकत का खजाना ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 9 जनवरी , सेहतमंद रहने के लिए मछली खाना बहुत फायदेमंद कहा जाता है. इसे ताकत के लिए वरदान कहा जाता है और इसके सेवन से कई बीमारियां दूर हो जाती हैं. लेकिन कम लोग जानते हैं कि मछली के साथ साथ मछली का तेल (fish oil)भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है. इसके अंदर मौजूद पोषक तत्व ना केवल बॉडी को मजबूत करते हैं बल्कि ये त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है. चलिए जानते हैं कि मछली के तेल के क्या क्या फायदे होते हैं.

मछली के तेल के फायदे

मछली का तेल दरअसल मछली के ऊतकों यानी टिश्यूज से निकाला जाता है. मछली के तेल में ओमेगा 3, फैटी एसिड के साथ साथ ढेर सारे पोषक तत्व भी होते हैं. मछली का तेल दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छा कहा जाता है. इस तेल की मदद से शरीर का कार्डियोवेस्कुलर सिस्टम अच्छी तरह काम करता है. इस तेल के सेवन से दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है और धमनियों में रक्त के थक्के जमने के चांस कम होते हैं.

मछली के तेल के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है और ओस्टियोपोरोसिस का रिस्क कम हो जाता है. इसके नियमित सेवन से गठिया जैसी बीमारी में काफी राहत मिलती है और बोन डेंसिटी बढ़ती है. हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि मछली के तेल में इंसुलिन

सेंसेविटी को बढ़ाकर डायबिटीज में राहत देने के गुण पाए जाते हैं.

डायबिटीज 2 पीड़ित मरीजों के लिए काफी अच्छा माना जाता है और इसके सेवन से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सफलता मिलती है. इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए मछली के तेल को काफी कारगर कहा गया है. इसके उपयोग से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और शरीर का ऑटोइम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है.मछली के तेल में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के गुण पाए जाते हैं. मछली के तेल में पाए जाने वाले इकोसैपेंटेनोइक एसिड (EPA) और डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड (DHA) की मदद से बीपी कंट्रोल करने में मदद मिलती है.

मछली के तेल को कैंसर से बचाव में सहायक माना गया है. इसमें पाए जाने वाले ओमेगा 3 एसिड की मदद से शरीर में नॉर्मल कोशिकाओं के विकास को बढ़ाने में मदद मिलती है. इसकी मदद से ब्रेस्ट कैंसर, प्रोटेस्ट और कोलन कैंसर से बचाव करने की संभावना बढ़ती है.

सोशल मीडिया पर मत करना ये गलतियों, रहे सावधान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , हनी ट्रैप, ये एक ऐसा शब्द है जिसमें खूबसूरत लड़कियों को लोगों को ठगने या फिर कह लीजिए फंसाने का काम सौंपा जाता है. सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म बन चुका है जहां हर दिन न जाने कितने ही लोग हनी ट्रैप का शिकार हो रहे हैं, आइए आपको बताते हैं कि आपको सोशल मीडिया पर कौन-कौन सी गलतियों को करने से बचना चाहिए.

सोशल मीडिया एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां कई बार अनजान लोग भी टकरा जाते हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर आपकी एक छोटी सी गलती आपको बहुत भारी पड़ सकती है. कुछ ऐसे मामले आए है जहां देखा गया है कि लोग सोशल मीडिया पर Honey Trap का शिकार हुए और लोगों ने लाखों रुपए तक गंवा दिए.सोशल मीडिया पर आप लोगों को कौन-कौन सी गलतियां करने से बचना चाहिए, इस सवाल का जवाब जानने से पहले आइए आपको बताते हैं कि आखिर हनी ट्रैप होता क्या है?

हनी ट्रैप बला से बचने के आसान टिप्स ?

हनी ट्रैप एक ऐसा खूबसूरत जाल है जिसमें रोमांटिक तरीके से महिलाएं लोगों को अपने फंसाने का काम करती हैं. जब लोग हुस्न के इस जाल में फंस जाते हैं तो लोगों को ठगने का असली खेल शुरू होता है.

सोशल मीडिया पर न करें ये गलतियां

आप भी अगर हनी ट्रैप के जाल में फंसने से बचना चाहते हैं तो भूल

से भी सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान लड़की से बातचीत करने से पहले 100 बार सोचिए.बातचीत को आगे बढ़ाने से पहले सामने वाले व्यक्ति की आइडेंटिटी को वेरिफाई जरूर करें.सोशल मीडिया पर अगर कोई भी लड़की आपको फंसाकर आपसे पैसे ठगने की कोशिश करे तो तुरंत इस बात की शिकायत दर्ज कराएं.सोशल मीडिया पर किसी अनजान लड़की को रिक्वेस्ट न भेजें और न ही किसी अनजान लड़की की रिक्वेस्ट को एक्सेप्ट करें.अगर कोई लड़की आपको सोशल मीडिया पर वीडियो कॉल करती है, तो कॉल को न उठाएं. हो सकता है कि आपकी वीडियो कॉल रिकॉर्ड की जा रही हो और फिर इसी रिकॉर्डिंग के जरिए आगे चलकर आपको ब्लैकमेल भी किया जा सकता है.

सतर्क रहेंगे तो आप भी हनी ट्रैप में फंसने से बच सकते हैं, लेकिन अगर किसी कारण आप इस जाल में फंस जाते हैं तो आपको सबसे पहले सरकार के साइबर क्राइम नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करनी होगी.

देश की सियासत में महिलाओं का दमदार दिखेगा असर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 9 जनवरी , देश की सियासत में महिलाओं का दमदार असर नज़र आ सकता है। एक तरफ भागीदारी का दांव दूसरी तरफ उनकी काबिलियत पर भरोसा जो सभी पार्टियां दिखाती नज़र आ रही है तभी तो आम आदमी पार्टी ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को राज्यसभा भेजने का फैसला किया. इस फैसले को 2024 लोकसभा चुनाव के लिए केजरीवाल का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है. सूत्रों के मुताबिक पार्टी को ऐसी ही तेजतर्रार महिला नेता की जरूरत थी. जो आने वाले चुनावी संग्राम में कांग्रेस और बीजेपी को टक्कर दे सकती हैं.

दिल्ली के दंगल से देश को संदेश

आपको बता दें कि कांग्रेस ने हाल ही में अपनी तेजतर्रार नेता अलका लांबा को पार्टी की महिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया है. लोकसभा चुनाव के मद्देनजर इन नियुक्तियों को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस काफी अहम मान रही है. इन दोनों नियुक्तियों से विपक्षी दलों ने महिला मतदाताओं के साथ-साथ युवाओं को भी संदेश देने की कोशिश की है. ऐसे में बीजेपी की महिला नेता मीनाक्षी लेखी की भूमिका काफी अहम हो जाती है. लेखी दिल्ली बीजेपी के खास चेहरों में से एक हैं. आइए जानते हैं कि दिल्ली की राजनीति में महिला नेताओं की अचानक चर्चा का मुख्य कारण क्या है?

अलका लांबा का सफर

बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अलका लांबा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. पार्टी ने अलका लांबा को महिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है. अलका लांबा दिल्ली कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से एक हैं। ऐसे में चुनाव से पहले हुई अहम नियुक्ति ने पार्टी में उनका कद बढ़ा दिया है. इससे पहले पिछले साल अगस्त में जब कांग्रेस ने चुनाव को लेकर बैठक की थी तो अलका लांबा के बयान ने दिल्ली की राजनीति में भूचाल ला दिया था. अलका ने कहा था कि पार्टी की ओर से उन्हें दिल्ली की सभी सात सीटों पर चुनाव की तैयारी करने को कहा गया है. अलका के बयान के बाद भारतीय गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस आमने-सामने आ गईं. हालांकि, पार्टी की ओर से इस पर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की गई. अलका लांबा छात्र जीवन से ही राजनीति से जुड़ी रही हैं। 1994 में उन्हें कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई में समन्वयक का पद मिला. वह 1997 में एनएसयूआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इससे पहले वह 2014 में आम आदमी पार्टी में शामिल हुई थीं। उन्होंने 2015 में आप के टिकट पर चांदनी चौक से विधानसभा चुनाव जीता था। 2019 में उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़ दी और कांग्रेस में लौट आए.

कौन हैं स्वाति मालीवाल?

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष के तौर पर स्वाति मालीवाल ने बेहतर काम किया है. इस काम के लिए पार्टी ने उन्हें इनाम भी दिया है. इसके साथ ही उन्हें लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाना पार्टी की अहम रणनीति मानी जा रही है. खास बात यह है कि पार्टी की स्थापना के बाद से अब तक किसी भी महिला को इतनी बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी गई है. ऐसे में पार्टी ने मालीवाल के जरिए महिलाओं को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया है. इसके जरिए पार्टी महिलाओं के साथ-साथ युवाओं को भी सकारात्मक संदेश देना चाहती है। इसके साथ ही पार्टी ने कार्यकर्ताओं को

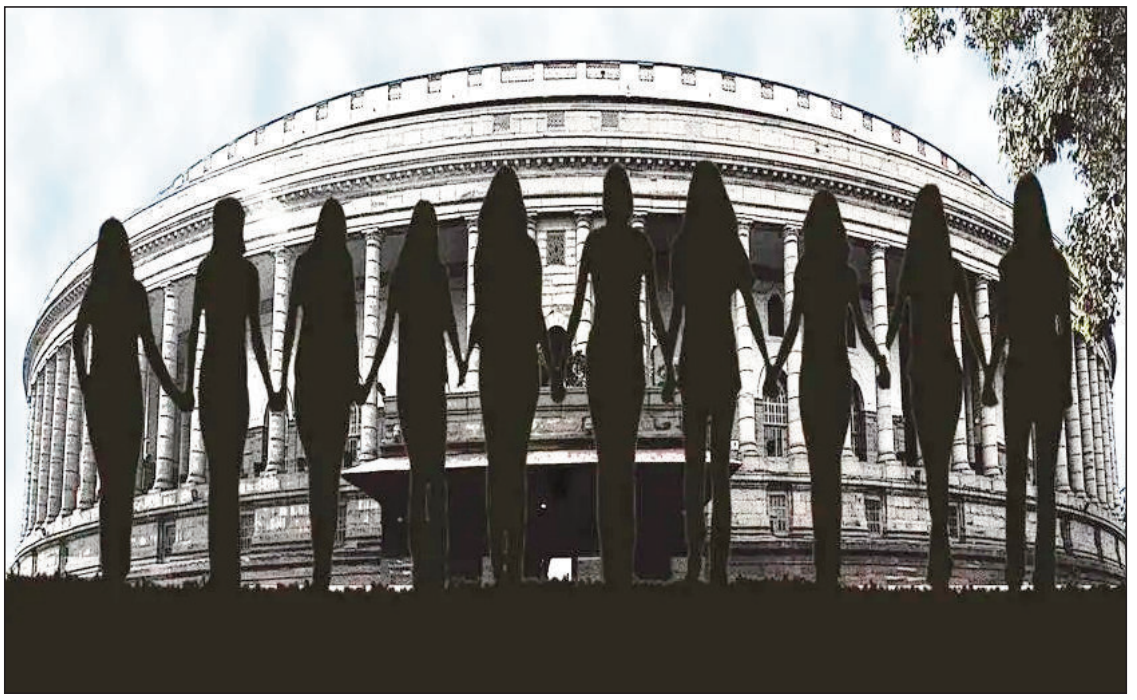

यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि बेहतर काम करोगे तो इनाम जरूर मिलेगा. स्वाति अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। ऐसे में वह राज्यसभा में पार्टी की आवाज के साथ-साथ महिलाओं के मुद्दों को भी मजबूती से रख सकेंगी. वह पिछले 8 वर्षों से महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। ऐसे में उन्हें राजनीति में ज्यादा परेशानी होने की उम्मीद नहीं है.

दिल्ली बीजेपी में मीनाक्षी का कद काफी ऊंचा

बीजेपी सांसद और केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी दिल्ली की राजनीति में एक प्रमुख महिला चेहरा हैं। लेखी के पास विदेश राज्य मंत्री के साथ-साथ संस्कृति राज्य मंत्री की भी जिम्मेदारी है। ऐसे में दिल्ली में एक महिला नेता के तौर पर पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है. फिलहाल दिल्ली में सुषमा स्वराज और किरण बेदी के बाद उनके कद का कोई नेता पार्टी में नजर नहीं आ रहा है. ऐसे में अगर उसे बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से मुकाबला करना है तो उसके पास मीनाक्षी लेखी का भरोसेमंद नाम है. मीनाक्षी लेखी नई दिल्ली संसदीय सीट से सांसद हैं. ऐसे में वह दिल्ली में महिला मतदाताओं के बीच पार्टी के लिए बड़ी संपत्ति साबित हो सकती हैं। मीनाक्षी लेखी का जन्म और पढ़ाई-लिखाई दिल्ली में ही हुई. ऐसे में वह दिल्ली के मिजाज को अच्छे से समझती हैं. दिल्ली के हिंदू कॉलेज से विज्ञान स्नातक मीनाक्षी लेखी पेशे से वकील रही हैं। उन्होंने 2014 में मोदी लहर में पहली बार नई दिल्ली संसदीय सीट से चुनाव जीता। 2019 में वह दोबारा संसद पहुंचने में कामयाब रहीं. वह बीजेपी में महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं.

पिता का इंवॉल्वमेंट बच्चे में कॉन्फिडेंस बढ़ाता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी, हमारे मन में भारतीय पिता की छवि एक पैसे कमाने वाले व्यक्ति के रूप में होती है। ज्यादातर पिता व्यस्त, स्ट्रिक्ट और गुस्से वाले होते हैं। इसलिए उनके बच्चों की बॉन्डिंग उनके साथ बहुत अच्छी नहीं हो पाती। जबकि बच्चों के जीवन में पिता बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। अक्सर बच्चों के साथ मां का ज्यादा समय बीतता है, लेकिन एक पिता का समय भी बच्चे के लिए उतना ही जरूरी है। जीवन में पैसा होना चाहिए, लेकिन बच्चे के जीवन में पिता का शामिल होना इससे भी ज्यादा अहमियत रखता है। यही उनमें कई अच्छी बातें विकसित करने का कारण बनती हैं।

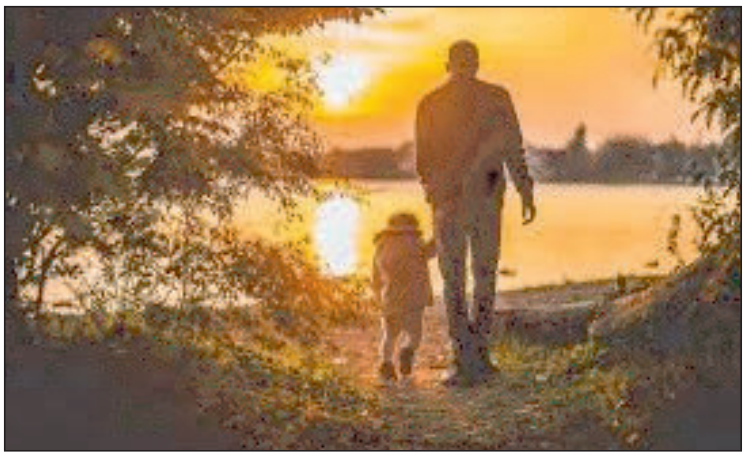

एक स्टडी के अनुसार बच्चों के जीवन में पिता का हाई लेवल का इंवॉल्वमेंट बच्चों में हाई कॉन्फिडेंस और सेल्फ कंट्रोल डेवलप करता है। एक अन्य स्टडीज के अनुसार, जिन बच्चों के पिता उनके जीवन में शामिल होते हैं , वे बच्चे व्यवहार में तो अच्छे होते ही हैं, साथ ही अपनों के साथ उनका रिश्ता भी बेहतर होता है। पैरेंटिंग कोच अवनी ने 3 तरीके बताए हैं, जिससे पिता अपने बच्चों के साथ अपनी बॉन्डिंग को और स्ट्रांग बना सकते हैं।

हर दिन 30 मिनट का समय बिताएं

पिता कितने भी थके हुए क्यों न हो, लेकिन बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का केशिश करें। हर दिन कम से कम 30 मिनट का समय बच्चों को दें। उस समय मोबाइल फोन को खुद से दूर रखें। जो समय बच्चों को दे रहे हैं, वो सिर्फ उनके लिए होना चाहिए।

बच्चों के साथ एक्टिविटी में शामिल हों

एक्सपर्ट के अनुसार, कोई एक एक्टिविटी एक साथ करें या उनका दिन कैसा बीता, इसी पर उनकी बातें सुनें। बच्चों को अपनी बातें बताने में बहुत अच्छा लगता है और यकीन मानिए आपको भी उनकी बातें सुन कर मजा आएगा। आप बच्चों की हेल्प लेकर खाना भी बना सकते हैं। इसमें बच्चों को भी मजा आएगा और मॉम की हेल्प हो जाएगी।

आउटिंग पर जाएं

हर पिता को अपने बच्चों के साथ थोड़ी आउटिंग जरूर करनी चाहिए। उन्हें अपनी नजरों से दुनिया दिखाने की जरूरत है। यह बच्चों के डेवलपमेंट का सबसे अच्छा तरीका है। बच्चा स्कूल में और घर पर बहुत कुछ सीखता है, लेकिन बाहर घूमने और दुनिया देखने से वो बहुत कुछ नया सीख पाता है, जो हमेशा उसके काम आता है। आप कितने भी व्यस्त क्यों न हो, लेकिन थोड़ा सा समय निकालकर साल में दो बार बच्चों के साथ बाहर जाने का प्लान जरूर बनाएं।

पाकिस्तान में सबसे ज्यादा क्या देखने जाते हैं लोग ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 जनवरी : लाहौर का बादशाही मस्जदि पाकिस्तान में मुगल काल का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है. यह मस्जदि लाहौर किले के सीधे सामने मौजूद है. हर साल लाखों की संख्या में टूरिस्ट इसे देखने के लिए आते हैं. मुगल बादशाह औरंगजेब ने 1671 और 1673 के बीच इसका निर्माण कराया था. इसका बाहरी भाग संगमरमर की जड़ाई के साथ लाल बलुआ पत्थर से सजाया गया है. मुगल-युग की भव्य शाही मस्जिदों में सबसे बड़ी मस्जदि इसे माना जाता है.मीनार-ए-पाकिस्तान लाहौर का एक मशहूर स्मारक है.

इसे 'टॉवर ऑफ पाकिस्तान' के नाम से भी जाना जाता है. यह वह जगह है जहां अखिल भारतीय मुस्लिम लीग ने 23 मार्च, 1940 को लाहौर प्रस्ताव पारित किया था. यहीं पर भारत से अलग एक मुस्लिम राज्य बनाने की मांग की नींव पड़ी. इस्लामाबाद की फैसल मस्जिद दुनिया की सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक है. यह प्रमुख धार्मिक स्थल है. मस्जिद का नाम सऊदी राजा फैसल के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने इसके निर्माण के लिए धन मुहैया कराया था. मस्जिद की वास्तुकला अद्वितीय और समकालीन है, जिसमें तुर्की वास्तुकार वेदांत डेल के द्वारा डिजाइन की गई पारंपरिक इस्लामी वास्तुकला की आधुनिक व्याख्या है. गिलगित बाल्टिस्तान में स्थति हुंजा वैली देखने में स्वर्ग जैसी नजर आती है. हिमालय और काराकोरम की चोटियों से घिरी हुई ये जगह सेहत का खजाना मानी जाती है. कहते हैं कि यहां लोग 100 साल से भी ज्यादा उम्र तक जीते हैं.

यहां के एटाबाद झील का फिरोजी पानी हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देता है; सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा और भी मोहक हो जाता है. यहां जाने का सबसे अच्छा समय मई से सितंबर के बीच है. स्कार्दू घाटी पाकिस्तान में देखने के लिए सबसे अच्छी और सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है. विशाल रेगिस्तानों, चमचमाती झीलों और ऊंची चोटियों के बीच बसी ये वैली सबको अपनी ओर खींचती है. घाटी लगभग 10 किमी चौड़ी और 40 किमी लंबी है. यहीं पर सिगार नदी और सिंधु नदी का संगम है.गिलगित बाल्टिस्तान में मौजूद यह जगह काराकोरम रेंज और हिमालय की चोटियों से घिरी हुई है. गिलगित बाल्टिस्तान के दियामर जिले में स्थति फेयरी मीडोज एक खूबसूरत घास का मैदान है. इसे उत्तरी पाकिस्तान का हृदय माना जाता है. दुनिया की नौवीं सबसे ऊंची चोटी, राजसी नंगा पर्वत यहीं है. पाकिस्तान में इसे 'पृथ्वी का स्वर्ग' भी कहा जाता है. यहां आप झीलों के साथ-साथ बर्फ से ढके नंगा पर्वत के शानदार सीन का दीदार कर सकते हैं.

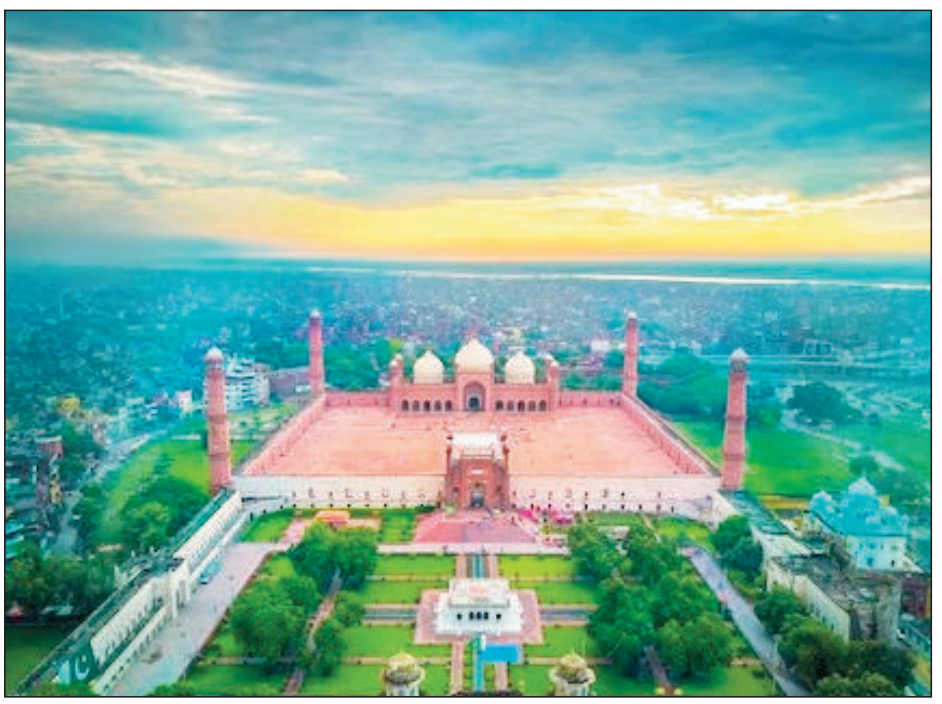

सर्दियों में बढ़ते दिल के दौरे को लेकर विशेषज्ञों की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 9 जनवरी , जैसे-जैसे सर्दी अपनी पकड़ मजबूत कर रही है, स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दिल के दौरे के बढ़ते खतरों के बारे में चिंता व्यक्त की है और ठंड के महीनों के दौरान निवारक आंखों की देखभाल के महत्व पर भी जोर दिया है। हाल के अध्ययनों में भी सर्दियों के मौसम के दौरान दिल के दौरे की दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, विशेषज्ञों ने कहा कि ठंडा तापमान और अद्वितीय मौसमी कारक हृदय संबंधी समस्याओं और आंखों से संबंधित जटिलताओं की बढ़ती संवेदनशीलता में योगदान करते हैं।डॉक्टरों ने कहा कि ठंड का मौसम रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है और रक्तचाप बढ़ाता है, जिससे संभावित रूप से दिल का दौरा पड़ सकता है, खासकर पहले से मौजूद हृदय संबंधी समस्याओं वाले लोगों में।

उन्होंने जनता को सर्दियों के दौरान नियमित व्यायाम, हृदय-स्वस्थ आहार और पर्याप्त रूप से गर्म रहकर हृदय स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहने की सलाह दी।

वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. ने कहा, "सर्दियों के मौसम के दौरान दिल के दौरे के बढ़ते जोखिम को संबोधित करना जरूरी है, यह घटना पर्यावरणीय कारकों के संगम के कारण होती है।" उन्होंने कहा, "इस दौरान प्रदूषण के स्तर में वृद्धि न केवल सूजन को बढ़ाती है, बल्कि अस्थमा और धूम्रपान करने वालों जैसी पहले से मौजूद बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए श्वसन संबंधी चुनौतियां भी बढ़ाती है।" इसके अतिरिक्त, डॉ. ने कहा, गिरता तापमान हृदय पर बोझ डालता है, जिससे अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है और व्यक्ति हृदय संबंधी घटनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ ने कहा कि ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाओं का संकुचन विशेष रूप से उच्च रक्तचाप के रोगियों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है, जिससे दुर्बल मस्तिष्क स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, "परेशान करने वाली बात यह है कि आंकड़ों से पता चलता है कि गर्मियों के महीनों की तुलना में सर्दियों में दिल के दौरे के बाद मृत्यु दर अधिक होती है।" डॉ. ने कहा, "हालांकि, इन जोखिमों का मुकाबला करने के लिए सक्रिय जीवनशैली उपायों को अपनाने की उम्मीद है। नियमित व्यायाम, मध्यम खान-पान और गुनगुने पानी के साथ उचित जलयोजन सर्दियों में होने वाले दिल के दौरे से जुड़ी कमजोरियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।"

सर्दियों के महीनों में आंखों के इष्टतम स्वास्थ्य को बनाए रखने में विशिष्ट चुनौतियां पेश होती हैं क्योंकि शुष्क हवा, घर के अंदर की गर्मी और कठोर हवाओं के संपर्क में आने से आंखें शुष्क हो सकती हैं, जलन हो सकती है और इससे भी अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है। डॉ ने कहा, "इस मौसम के दौरान हाइड्रेटेड रहना, कृत्रिम आँसू का उपयोग करना और कठोर मौसम की स्थिति से आंखों की रक्षा करना जैसे निवारक उपाय आंखों के इष्टतम स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।" विशेषज्ञों के अनुसार, नियमित स्वास्थ्य जांच, हृदय-स्वस्थ जीवनशैली का पालन और सक्रिय आंखों की देखभाल सर्दियों के मौसम से जुड़ी स्वास्थ्य जटिलताओं को रोकने में महत्वपूर्ण अंतर ला सकती है।

बहूरानी ने मोबाइल से दूर रहने की 3 अजीब शर्त रखी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , डिजिटल जमाने में जहां हममें से कई लोग अपना ज्यादातर टाइम स्क्रीन के सामने बिताते हैं और स्मार्टफोन से ही चिपके रहते हैं, वहीं मंजू गुप्ता नाम की एक महिला एक बेहतरीन आइडिया के साथ सॉल्यूशन लेकर आई है. महिला ने अपने परिवार को स्मार्टफोन की स्क्रीन से दूर रखने का एक सही तरीका ढूंढ निकाला है. मंजू गुप्ता ने फोन के यूज पर एक 'नो-फोन-यूज समझौता' बनाया और परिवार के हर सदस्य को इस पर सिग्नेचर करने के लिए कहा. क्या यह आइडिया बिल्कुल अनोखा है? लेकिन कहानी अभी यहीं खत्म नहीं होती.

मंजू ने समझौते में एक शर्त यह भी बनाई कि जो कोई भी तीन नियमों का पालन नहीं करेगा, उसे एक या दो दिन नहीं बल्कि पूरे महीने के लिए स्विगी या जोमैटो जैसे फूड ऐप से ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने से रोक दिया जाएगा. ऐसा लगता है कि यह परिवार खाने का बहुत बड़ा शौकीन है. मंजू गुप्ता की भतीजी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एग्रीमेंट की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, "मेरी मासी ने घर में सभी से इस समझौते पर हस्ताक्षर करवाए." एक रोने वाले इमोजी भी साथ में लगाया. इंटरनेट यूजर्स इस समझौते को गैर-न्यायिक स्टाम्प पेपर पर लिखा हुआ देखकर बड़े ही खुश हुए. फोन-यूज के इस समझौते में तीन नियम रखे गए थे.

फोन-यूज के समझौते में तीन नियम-

पहला- परिवार में हर किसी को सुबह उठते ही अपने फोन की बजाए सूरज की पूजा करनी चाहिए.

दूसरा- सभी को डाइनिंग टेबल पर एक साथ खाना होगा. फैमिली डिनर के दौरान सभी फोन को डाइनिंग टेबल से 20 कदम दूर रखना होगा.बाथरूम जाते समय हर कोई अपने फोन को बाहर रखेगा, ताकि इंस्टाग्राम रील्स देखने में समय बर्बाद न हो.

यह अनोखा और मजेदार तरीका है जिससे मंजू गुप्ता ने अपने परिवार को फोन के जुनून से दूर रखने की कोशिश की. इंटरनेट यूजर्स के हंसने का कारण समझ सकते हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह एक दिलचस्प प्रयोग है.

अब 'लेजर शो' से बचेगी किसानों की फसल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 जनवरी : किसानों की फसलों को पक्षी बहुत नुकसान पहुंचाते हैं. ऐसे में खेतों की 24 घंटों की रखवाली करनी होती है. यह एक बहुत ही मुश्किल समस्या मानी जाती है. इससे हर साल बड़ा नुकासन होता है. इसके लिए वैसे तो स्केयरक्रो जिन्हें बिजूका कहते हैं, का इस्तेमाल होता है तो एक तरह के इंसानी पुतले होते हैं पर इसके बहुत शानदार नतीजे नहीं होते हैं. अब वैज्ञानिकों ने इस समस्या का लेजर स्केयरक्रो के जरिए हाई टेक हल निकाल लिया है।

विशेषज्ञों ने खास तौर पर अपनी नई अनोखी तकनीक का प्रदर्शन कर दिखाया है कि कैसे लेजर स्केयरक्रो से फसलों को बड़े नुकसान से बचाया जा सकता है. पेस्ट मैनेजमेंट साइंस में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने लेजर से बने स्केयर क्रो का उपयोग कर स्वीट कॉर्न की फसलों की रक्षा पर उसका असर देखा।

शोधकर्ताओं ने चलते हुए लेजर स्केयरक्रो का उपयोग कर उनका पक्षियों पर असर जांचा और पाया कि वे उपकरण के 20 मीटर की दूरी तक फसल की बढ़िया हिफाजत करते हैं. अब और ज्यादा से ज्यादा किसान ऐसे सस्ते और पोर्टेबल लेजर उपकरणों का उपयोग करना चाह रहे हैं.

शोधकर्ताओं का कहना है कि वे 300 से 500 डॉलर मात्र में ही किसान विशाल खेतों को एक से 3 हफ्तों तक रक्षा कर सकते हैं जो किसी भी दूसरे तरीके से सस्ता और ज्यादा कारगर है. इस लेजर का लंबे समय तक उपयोग करने की जरूरत नहीं होती है. अब शोधकर्ता इसका दूसरी फसलों पर असर जानने की कोशिश कर रहे हैं.

वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे पर्यावरण को भी काफी फायदा होगा और वन्य जीवों को भी नुकसान नहीं होगा क्योंकि उनसे बचने के लिए किसान पटाखे, धमाके वाली बंदूक आदि का उपयोग भी करते हैं. इससे आसपास काम कर रहे किसानों और रहवासियों को भी परेशानी नहीं होगी. नहीं फसलों के पास कोई जहरीला पदार्थ छोड़ने की जरूरत है.

आलू-बैंगन की सब्जी शौकीनों के लिए बुरी खबर !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , क्या आपको ठंड में आलू-बैंगन खाना पसंद है? अगर है तो जान लीजिए कि यह सब्जी सबसे खराब सब्जियों में शामिल हो चुकी है. आपने एक मीम तो जरूर देखा होगा, जिसमें एक रिपोर्टर उसका फेवरेट सब्जेक्ट पूछता है तो एक लड़का उसका जवाब बैंगन में देता है. कुछ वैसा ही रिएक्शन टॉप 100 सब्जियों में शामिल हुए आलू-बैंगन के बारे सुनकर कई भारतीयों को लगा होगा और बोला होगा- 'आएं.' दुनिया में 100 सबसे खराब सब्जियों में नाम आने के बाद लोग थोड़े सोच में पड़ गए.

सबसे खराब सब्जियों में आलू-बैंगन

बैंगन की वजह से हंसी का नया तूफान आ गया है. यह जानकर आप हैरान रह जाएंगे कि दुनिया के 100 सबसे खराब रेटेड खानों (100 Worst Rated Foods In The World) की सूची में सिर्फ एक भारतीय व्यंजन शामिल है, और वह है आलू बैंगन. यह खबर सुनकर कई भारतीयों को गुस्सा आया. कुछ लोगों का कहना है कि आलू बैंगन एक स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन है. कुछ लोगों का कहना है कि इस सूची को बनाने वाले लोगों को भारतीय व्यंजनों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. इस खबर ने सोशल मीडिया पर भी हंगामा मचा दिया है. कई लोगों ने इस सूची की आलोचना की है.

आलू-बैंगन को 60 वां स्थान

टेस्टएटलस नाम की एक वेबसाइट ने दुनिया के 100 सबसे खराब खाने की लिस्ट बनाई है, जिसमें आलू-बैंगन को 60वां स्थान दिया गया है. वेबसाइट ने इसे स्वादिष्ट, उत्तर भारत में लोकप्रिय लंच आइटम जिसे अक्सर लंचबॉक्स में पैक किया जाने वाला बताया है. हालांकि, लिस्ट में इसे 5 में से सिर्फ 2.7 रेटिंग मिली है, जिससे भारतीय सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है. कई लोगों को समझ नहीं आ रहा कि आखिर ये कैसे हो सकता है. फूड ब्लॉगिंग ग्रुप फूडकर्स के प्रभजोत सिंह ने कहा, रमैं बस इतना ही कह सकता हूं कि किंग आलू का दिल टूट गया.

दुनिया का अजूबा है ये जगह, धरती से आकाश का होता है 'मिलन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 जनवरी : सालार दे उयुनी को दुनिया का अजूबा कहा जाता है, क्योंकि यहां धरती दर्पण की तरह दिखती है, जिसमें आकाश का प्रतिबिम्ब दिखता है. उसे देखकर ऐसा लगता है कि मानो धरती से आकाश का 'मिलन' हो गया हो. अद्भुत नजारों के लिए ये जगह दुनियाभर में फेमस है, जिन्हें देखकर आपकी सांसे भी थम जाएंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि बोलीविया की सालार दे उयुनी अपने सबसे खूबसूरत दृश्यों के लिए जानी जाती है. यह दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान है, जो बहुत पहले वाष्पित हो चुकी झीलों द्वारा कैप्शन में आगे बताया है कि यहां नमक की एक मोटी परत क्षितिज तक फैली हुई है. यहां जमीन पर नमक के बहुभुज पैटर्न से ढकी हुई है. साल के कुछ निश्चित समय में आसपास की झीलें जब ओवरफ्लो हो जाती हैं, तब इस जगह पर दूर-दूर तक पानी भर जाता है, जिसमें आकाश का प्रतिबिंब दिखता है. यही वजह है कि यहां का नजारा बहुत ही आश्चर्यजनक हो जाता है. यह दृश्य को हैरान कर देगा. ये नजारा आपके दिल को छू लेगा जिसमें दिखता है सफेद बादलों से भरे स्काई ब्लू आकाश का प्रतिबिंब नीचे पानी पर बनता है. यह ऐसा दृश्य है, जिसे शायद ही पहले कभी आपने देखा होगा।

दुनिया का सबसे बड़ा नमक मैदानः सालार दे उयुनी को सालार दे तुनुपा के नाम से भी जाना जाता है. ये जगह दुनिया का सबसे बड़ा नमक का मैदान है, जो 10,000 वर्ग किलोमीटर में फैला है. यह बोलीविया में डैनियल कैम्पोस प्रांत में स्थित है.

'6174' आखिर क्यों है मैजिकल नंबर, किसने की थी इसकी खोज ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 जनवरी : गणित बेहद रोचक विषय है. यूं तो लोगों को इससे डर लगता है, पर जब आप इस विषय की तह तक पहुंच जाते हैं तो आपको समझ आएगा कि ये कितना जरूरी और जादुई सब्जेक्ट है. आप सोचेंगे कि विषय आखिर जादुई कैसे हो सकता है! तो शायद आपको 6174 नंबर के बारे में पता नहीं होगा, इस वजह से आप ऐसा सोच रहे हैं. चलिए आपको बताते हैं कि आखिर इसे मैजिकल नंबर क्यों बोलते हैं.

अजब-गजब ज्ञान के तहत हम आपके लिए लेकर आते हैं दुनिया के अनोखे फैक्ट्स जो आपको हैरान कर देंगे. आज हम बात करेंगे 6174 नाम के मैजिकल नंबर 6174 की दरअसल, सोशल मीडिया वेबसाइट पर किसी ने ये सवाल किया- भारतीय गणितज्ञ द्वारा खोजे गए '6174' को मैजिकल नंबर क्यों कहा जाता है? सवाल काफी रोचक है. लोगों ने इसके कई तरह से जवाब दिए हैं. तो चलिए हम आपको इसका जवाब बताते हैं.

किसने की थी इस नंबर की खोज?

इस नंबर को कापरेकर कॉन्स्टेंट बोलते हैं. वो इसलिए क्योंकि इसे भारतीय गणितज्ञ दत्तात्रेय रामचंद्र कापरेकर ने खोजा था. वो महाराष्ट्र के देवलाली कस्बे के एक स्कूल में गणित पढ़ाया करते थे. 1949 में, चेन्नई के एक गणित सम्मेलन के दौरान उन्होंने इस नंबर के बारे में दुनिया को बताया. चलिए अब आपको बताते हैं कि ये क्यों जादुई संख्या है. इसके लिए आपको गणित की एक इक्वेशन समझनी पड़ेगी.

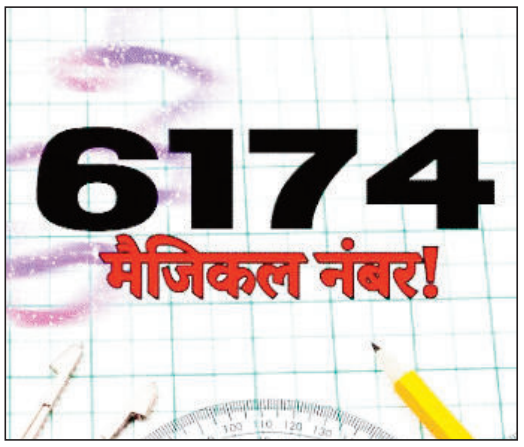

उदाहरण

चार अंक की किसी भी संख्या को ले लीजिए. हम यहां ले रहे हैं 1234.अब इस संख्या को घटते क्रम में लिखते हैं- 4321अब इस संख्या को बढ़ते क्रम में लिखते हैं- 1234बड़ी संख्या में से छोटी को घटा दीजिए- जवाब मिलेगा 3087अब जो अंक आया, उसके साथ भी ऊपर दिए गए स्टेप को दोहराइए. यानी पहले घटते क्रम में लिखिए और फिर बढ़ते क्रम में, और फिर दोनों को एक दूसरे से घटा दीजिए. इस मामले में, 8730-0378= जवाब आएगा 8352.अब 8352 के साथ भी इसी स्टेप को दोहराते हैं.8532-2358= जवाब आएगा 6174.

तो आप देख सकते हैं कि चार अंकों वाली संख्या को जब इस प्रकार घटाया जाए तो अंत में जवाब आता है 6174. ये आप किसी भी 4 अंक वाले नंबर के साथ कर सकते हैं. आपको यही उत्तर मिलेगा. इस वजह से इसे मैजिकल नंबर कहा जाता है।

राम मंदिर उद्घाटन तक 1 रूपये में कराइये हेयरकटिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 जनवरी , अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है. ऐसे में अयोध्या ही नहीं पूरे देश में इसे लेकर जोर शोर से तैयारियां चल रही है. कोई रामलला के वस्त्र बनाने में जुटी हैं तो किसी ने 65 लाख का मसाला अयोध्या भेजा. ऐसे ही कुछ ना कुछ कर राम भक्त रामलला के आगमन के लिए खुशी जाहिर कर रहे हैं. इस बीच देवभूमि में तपस्थली ऋषिकेश के रामभक्त मनीष सजवाण अपने अनोखे ऑफर की वजह से ट्रेंडिंग में आ गए हैं आखिर पूरी खबर -

ऋषिकेश रोड में दुर्गा चौक स्थित एक सैलून के संचालक मनीष सजवाण की भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा इतनी ज्यादा है कि उन्होंने अयोध्या में रामलाल के आगमन तक एक रुपये में सेवा देना का फैसला लिया है. मनीष अपने सैलून में अयोध्या में श्रीराम के विराजमान होने तक एक रुपये में लोगों की हेयर कटिंग कर रहे हैं. मनीष ने बताया कि हर दिन उनके सैलून में 20 से 25 लोग बाल कटवाने आ रहे हैं. उनका मकसद समाज को जागरूक करना है. बता दें कि मनीष के सैलून में वैसे हेयर कटिंग का प्राइज 40 से

100 रुपये है. मनीष तके इस कदम की कई संगठन सराहना कर रहे हैं.

भगवान राम की तपस्थली ऋषिकेश

यहाँ आपको बता दें कि ऋषिकेश भगवान राम की तपस्थली के नाम से भी जानी जाती है. क्योंकि यहां ब्रह्मपुरी स्थित राम तपस्थली के गंगा तट पर बनी एक गुफा में भगवान राम ने सालों तक तपस्या की थी. स्कंदपुराण के अनुसार रावण वध करने के बाद भगवान राम को ब्रह्म हत्या का पाप लगा था. जिसके बाद श्रीराम यहां तपस्या करने आए थे. यह ब्रह्मपुरी ऋषिकेश से आठ किमी की दूरी पर है. आज भी इस गुफा में दर्शन के लिए अनेक श्रद्धालु आते हैं.

संपादकीय

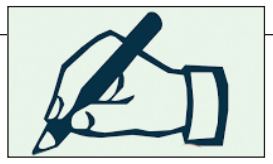

हिंसक भीड़ के मायने

विपक्ष अक्सर तानाशाही शासन की बात करता रहता है। उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की घोर चिंता है, जबकि दोनों ही बेहद सुरक्षित हैं। विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड को 'अघोषित आपातकाल' करार देता रहा है। विपक्षी नेता और मुख्यमंत्री प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन नोटिसों को खारिज कर रहे हैं। विपक्ष की शिकायत है कि मोदी सरकार जांच एजेंसियों को, विपक्षी नेताओं के खिलाफ, एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रही है, जबकि सत्ता-पक्ष के कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों पर घोटालों के गंभीर आरोप हैं। ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग उन पर छापे की कार्रवाई नहीं कर सकते। मोदी सरकार विपक्षी नेताओं को जेल में डाल कर उन्हें चुनाव प्रचार से वंचित रखना चाहती है, ताकि भाजपा-एनडीए एक और बार जीत कर केंद्र में सरकार बना सकें। बेशक इन आरोपों की अपनी तार्किकता है, लेकिन सर्वोच्च अदालत ने विपक्ष की सामूहिक दलीलों को खारिज कर दिया था कि जांच एजेंसियां विपक्ष को प्रायोजित मामलों में फंसा रही हैं। दरअसल यह आम चुनाव, 2024 का दौर है। चुनाव बेहद करीब हैं, लिहाजा विपक्षी गठबंधन भी मंथन और विमर्श कर रहा होगा कि राजनीति, नीति-निर्माण और शासन का कौनसा मॉडल मतदाताओं के सामने प्रस्तुत किया जाए! यह सवाल भी उसके विचारार्थ होगा कि कानून का राज उचित है अथवा भीड़ को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाए? हिंसक भीड़ को संरक्षण देना और उसे कानून के राज से बचाना क्या संवैधानिक है? पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के जिस नेता के भडक़ाने और उकसाने पर भारी भीड़ ने ईडी के अफसरों पर जानलेवा हमला किया, क्या 'भीड़ के शासन' वाले मॉडल की यही व्यवस्था देश में होनी चाहिए? वह गुंडागर्दी कराने वाला नेता आज कहां है? राज्य की पुलिस ने क्या कार्रवाई की है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खामोश और निरुत्तर क्यों हैं? ममता ने खुद हिंसक राजनीति के दंश झेले हैं, जानलेवा हमलों का मुकाबला किया है, नतीजतन बंगाल ने उन्हें सत्ता का लगातार जनादेश दिया है। सवाल है कि उनके शासन में भी वही रक्तपात क्यों किया जा रहा है, जिसे झेलकर वह मुख्यमंत्री के पद तक पहुंची हैं? बंगाल में हिंसक टकराव और हमले बार-बार देखे जाते रहे हैं। चाहे पंचायत के चुनाव हों या घोटालों की जांच के लिए एजेंसियों के छापों की कार्रवाई हो, स्थानीय समर्थकों की भीड़ खून का नंगा नाच करती है। क्या ममता ऐसी कानून-व्यवस्था की पक्षधर हैं? वह अक्सर लोकतंत्र, संविधान, संघीय ढांचे का चीत्कार करती रही हैं। कितना खोखला विरोधाभास है? बीते शुक्रवार को ईडी की टीम ने तृणमूल नेता शाहजहां शेख के घर पर छापा मारना था। शेख पर करोड़ों रुपए के राशन घोटाले का आरोप है। उसने गरीबों का अन्न छीना है। उसके वफादार समर्थकों ने टीम का रास्ता रोका, वाहनों पर हमला किया, डंडों और लोहे की रॉड से तीन अफसरों को घायल कर दिया। वे अस्पताल में उपचाराधीन हैं। उन घायल अफसरों ने यह भी बताया है कि स्थानीय पुलिस को फोन कॉल्स की गईं, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नैनीताल पुलिस ने 266 फरियादियों के चेहरे की मुस्कान लौटा कर दी नव वर्ष की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 09 जनवरी : प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल ने आम जनता के मोबाइल फोन गुम होने की लिखित शिकायतों को गंभीरता से लेने के निर्देश दिये गए थे। आदेशानुसार डॉ0 जगदीश चंद्र पुलिस अधीक्षक अपराध व हरबंस सिंह पुलिस अधीक्षक नगर हल्द्वानी नितिन लोहानी क्षेत्राधिकारी ऑप्स हल्द्वानी के पर्यवेक्षण में हेम चंद्र पंत निरीक्षक प्रभारी साइबर/मोबाइल एप के नेतृत्व में माह अक्टूबर 2023 से अब तक IMEI नम्बरों को एसओजी प्रभारी अनीस अहमद के माध्यम से सर्विलांस में लगाये जाने के उपरान्त विभिन्न राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों से कुल 266 विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, मोबाइल एप्प टीम द्वारा बरामद किये गये। जिनकी अनुमानित कीमत 44,91,500 रुपये है।

मोबाइल मिलने की उम्मीद खो बैठे मोबाइल स्वामियों को उनके मोबाइल सुपुर्द कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी गयी। अपने-अपने खोये मोबाइल पाकर मोबाईल स्वामियों द्वारा नैनीताल पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

माह अक्टूबर 2023 से अब तक- बरामदगी- 266 मोबाईलअनुमानित कीमत- 44,91,500 रुपये

वर्ष 2023 में अब तक कुल बरामद- 896 मोबाइल फोनअनुमानित कीमत- 1,58,64,500 रुपये

पुलिस टीम-1- का0 किशन सिंह कुंवर2- का0 दिनेश नगरकोटी4- म0का0 पूजा चौधरी

कुल मोबाईल- 266 कीमत- 44,91,500 रुपयेएसएसपी नैनीताल ने पुलिस टीम के उत्साहवर्धन हेतु ₹2,500/ नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

शहीद विक्रम के नाम से गजा पॉलीटेक्निक कॉलेज

नई टिहरी। नरेन्द्रनगर क्षेत्र के गजा कस्बे में निर्माणधीन राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज का नाम शहीद विक्रम सिंह नेगी के नाम पर रखा गया है। शासनादेश जारी होने के बाद क्षेत्र के लोगों ने कैबिनेट मंत्री सुबोध उनिया का आभार जताया है। गजा कस्बे में निर्माणधीन राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज को नाम अब शहीद विक्रम सिंह नेगी पॉलीटेक्निक कॉलेज के नाम से जाना जाऐगा। बीते 22 दिसंबर को इस संबंध में शासन से पत्र जारी किया गया है। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने बीते जुलाई माह में गजा पॉलीटेक्निक कालेज शिलान्यास की आधार शीला रखी थी। उन्होंने उसी दिन कॉलेज का नाम विमाण गांव के शहीद जवान विक्रम सिंह नेगी के नाम पर रखने की घोषणा की थी। वर्ष 2021 में 15 अक्तूबर को विक्रम सिंह पुंछ सेक्टर में आंतकियों के साथ हुई मुठभेठ के दौरान शहीद हो गये थे। नपं गजा की निर्वतान अध्यक्ष मीना खाती, ब्लॉक प्रमुख चंबा शिवानी बिष्ट, पूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष देव सिंह पुंडीर, गजेन्द्र खाती, इंद्र सिंह नेगी, रतन सिंह रावत, ग्राम प्रधान सुरेन्द्र नेगी साहब नेगी, शहीद के परिजनों और क्षेत्र के लोगों ने कैबिनेट मंत्री का आभार जताया है।

खाई में गिरा राशन से लदा ट्रक, चालक की मौत

नई टिहरी। ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर एनएचपीसी कॉलोनी, भरपूर के समीप राशन का ट्रक गहरी के खाई में जा गिरा। दुर्घटना में चालक की मौत हो गयी। ट्रक सितारगंज से चावल लेकर राशन गोदाम श्रीनगर जा रहा था। एसएचओ देवराज शर्मा ने बताया कि सोमवार तडक़े देवप्रयाग से सात किमी आगे ऋषिकेश मार्ग पर एनएचपीसी कॉलोनी के समीप एक ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। खाई में गिरते ही ट्रक के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में चालक जगजीत सिंह(37) पुत्र लखबीर सिंह निवासी हरदासपुर, पीलीभीत उप्र की मौके पर ही मौत हो गयी। ट्रक में राशन के चावल की बोरी लदी थी। सूचना पर चौकी प्रभारी बछेलीखाल रविंद्र डोभाल पुलिस व एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने काफी मशक्कत के बाद रस्सियों के सहारे चालक के शव को खाई से निकालकर पीएम के लिए श्रीनगर अस्पताल भेजा। ट्रक में चालक अकेला था। पुलिस घटना की सूचना चालक के परिजनों को दी है।

देहरादून में हिला हेल्थ सिस्टम, इन्फ्लूएंजा के चार मरीज मिले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 जनवरी , आपको अब सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि अब तक खामोश रहे उत्तराखंड में भी एन्फ्लूएंजा की मौजूदगी ने उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग के होश उड़ा दिए हैं। इंद्रेश हॉस्पिटल , दून चिकित्सालय और कैलाश हॉस्पिटल में इन 4 मरीज़ों की मौजूदगी बताई जा रही है। देश में कोरोना के मामले एक्टिव होने के बाद से ही सर्दी जुकाम के मरीज़ों की कोविड जाँच कराई जा रही है. इसके साथ ही इन्फ्लूएंजा के मामलों की भी जांच कराई जा रही है. इसी जांच के दौरान रविवार को चार मरीज सामने आए हैं.स्वास्थ्य सचिव डॉ आर. राजेश कुमार की टीम अब इस ताज़ा हालात पर एक्टिव मोड़ में ज़रूरी फैसले ले रही है लेकिन लोगों में बेचैनी भी बढ़ रही है।

प्रदेश में मरीज़ों की कुल संख्या 10

उत्तराखंड में आए एन्फ्लूएंजा का मामले सामने आने से स्वास्थ्य महकमे के होश उड़ गए हैं. खबर है कि स्वास्थ्य विभाग इन मरीजों पर ख़ास नजर रखे हैं. आपको बता दें कि ये सभी मरीज़ अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इन मरीजों में से एक मरीज इंद्रेश हॉस्पिटल, दूसरा कैलाश अस्पताल और दो मरीज दून अस्पताल में एडमिट है.

एन्फ्लूएंजा के मामले आने से हड़कंप

दरअसल देश में कोरोना के मामले सामने आने के बाद उत्तराखंड में भी संदिग्ध मरीजों की जांच कराई जा रही है. सरकार ने उन सभी मरीज़ों की जाँच के निर्देश दिए हैं, जिन्हें सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी शिकायतें हैं. रविवार को ऐसे ही 63 मरीजों की जांच कराई गई थी, जिनमें से चार

मरीजों की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई हैं. इन सभी को एन्फ्लूएंजा डिटेक्ट हुआ है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जिन मरीज़ों की रिपोर्ट पॉज़िटिव आई है. उनमें से एक मरीज बुजुर्ग है, जबकि तीन वयस्क हैं. इन सभी का इलाज अस्पतालों में चल रहा है.

जिला सर्विलांस अधिकारी के अनुसार रविवार को चार मरीज इन्फ्लूएंजा के मिले हैं जिनका इलाज अलग-अलग अस्पतालों में किया जा रहा है. सभी मरीजों में इनफ्लुएंजा ए होने की जानकारी मिली है. इससे पहले शनिवार को भी देहरादून में अलग-अलग जगहों से छह मरीज मिले थे, जिसके बाद अब राज्य में कुल एन्फ्लूएंजा के मरीज़ों की संख्या दस हो गई है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सभी मरीजों की निगरानी की जा रही है. इसके साथ ही ऐसे मरीजों की जांच बढ़ाने के निर्देश दिए हैं.

भाषा व भूमि है जीवन का आधार : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 9 जनवरी , परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी अपनी विदेश यात्रा पर हैं। प्रवासी भारतीय दिवस पर उन्होंने अनिवासी भारतीयों को सम्बोधित करते हुये उन्हें अपनी जड़ों, मूल्यों और मूल से जुड़ने का संदेश दिया। उन्होंने भारत की विकास यात्रा में प्रवासी भारतीयों के योगदान और उपलब्धियों की सराहना करते हुये उन्हें अपनी भाषा और अपनी भूमि से जुड़ें रहने हेतु प्रेरित किया। प्रवासी भारतीय दिवस प्रतिवर्ष 9 जनवरी को महात्मा गांधी जी की 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत वापसी की याद में मनाया जाता है। यह दिन प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ जुड़ने, देश की उपलब्धियों और प्रगति में उनके योगदान का जश्न मनाने का अवसर प्रदान करता है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने प्रवासी भारतीय दिवस पर अपनी जड़ों, मूल व मूल्यों से जुड़ने का दिया संदेश

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि प्रवासी भारतीय दिवस भारत में निवेश के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के लिये जरूरी है परन्तु जब बात स्वयं और आने वाली पीढ़ियों पर निवेश की है तो भारतीय संस्कृति, संस्कार, मूल व मूल्यों को समझना, उनसे जुड़ना और आनी

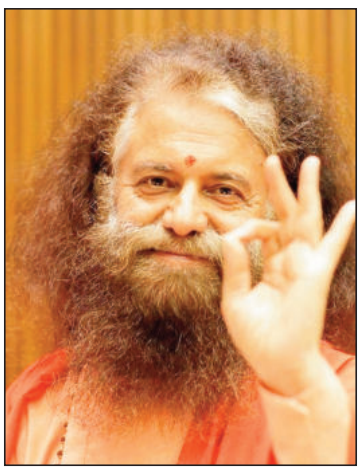

वाली पीढ़ियों को जोड़ना नितांत आवश्यक है।

यह दिन प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने और देश की प्रगति और क्षमता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण संदेश देता है।

स्वामी जी ने कहा कि यह एक त्यौहार है जो प्रवासी भारतीय समुदाय को अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने और भारत की संस्कृति, संस्कार और परंपराओं के बारे में जानने का एक अद्भुत अवसर प्रदान करता है। इस अमृतकाल के अवसर पर नए भारत के निर्माण में; "आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सभी को समेकित प्रयास करना होगा। भारत व भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के हमारे भाई-बहन मिलकर आपसी व सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत कर भारतीय संस्कृति व सांस्कृतिक संबंधों को एक नई उड़ान दे सकते हैं और अपनी मातृभूमि के साथ अपनों संबंधों को और मजबूत कर सकते है।

स्वामी जी ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जिस भी देश में जाते हैं वहाँ के प्रवासी भारतीयों से अवश्य मिलते हैं। इससे जो अपनत्व की भावना जन्म लेती है वह अद्भुत है, इससे प्रवासी भारतीय भारत की ओर आकर्षित होते हैं। माननीय मोदी जी ने वास्तव में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को साकार रूप प्रदान कर रहे हैं।

स्वामी जी ने कहा कि भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक कल्याण पहलों के समर्थन हेतु प्रवासी भारतीयों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है परन्तु हम सभी को मिलकर इस ओर अभी और कार्य करने की जरूरत है। प्रवासी भारतीयों का माँ गंगा और अपनी मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम हैं परन्तु इस प्रेम व कनेक्शन को आने वाली पीढ़ियों में रोपित करना भी जरूरी है।

ज्वालापुर में दंपति को पीटा, चार पर मुकदमा

हरिद्वार। सरेराह दंपति से मारपीट करते हुए हत्या की धमकी दी गई। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर ज्वालापुर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ज्वालापुर क्षेत्र के मोहल्ला घोसियान निवासी शाहिद हुसैन ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उनका छोटा भाई आमिर अपनी पत्नी साहिबा को बाइक पर बैठाकर डॉक्टर के पास दवा दिलाने जा रहा था। आरोप है कि मोहल्ल मैदानियान में पहुंचते ही अनस निवासी घोसियान, जान आलम, जावेद व शोएब निवासी मैदानियान ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि गाली गलौच करते हुए पूर्व में दर्ज चले आ रहे एक मुकदमे में समझौता करने की बात कही। विरोध करने पर मारपीट की गई। बीच बचाव में आई उसके भाई की पत्नी की भी पिटाई कर दी। लोगों के मौके पर एकत्र होने पर आरोपी फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वेतन की मांग को नगर आयुक्त से मिले संविदा कर्मी

हरिद्वार। नगर निगम में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल वेतन की मांग को लेकर नगर आयुक्त से मिला। नगर आयुक्त ने कर्मचारियों की समस्या सुनी और जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। स्थायी कर्मचारियों का वेतन उनके खाते में डालने की सूचना के बाद नगर निगम के अलग-अलग अनुभागों में काम करने वाले संविदा कर्मचारी वेतन खाते में डालने की मांग को लेकर नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर जमा हो गए। कर्मचारियों के कार्यालय के बाहर एकत्र होने की सूचना पर नगर आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। नगर आयुक्त वरुण चौधरी ने बताया कि संविदा कर्मचारियों की समस्या का समाधान जल्द कर दिया जाएगा।

वेंडिंग जोन पर शिलापट्ट लगाने से लघु व्यापारी खुश

हरिद्वार। हरिद्वार नगर निगम की ओर से विकसित किए गए वेंडिंग जोन चंडी चौराहा मार्ग, रोड़ी बेलवाला स्थित महिला पिंक वेंडिंग जोन में नगर आयुक्त वरुण चौधरी के आदेश पर लोकार्पण की शिलापट्ट लगाए जाने से उत्साहित स्थानीय लघु व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा का स्वागत एवं सरकार का आभार प्रकट किया। लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा एक लंबे संघर्ष के बाद आज पूरे प्रदेश में स्थानीय नगर निगम, नगर निकायों द्वारा केंद्र और राज्य सरकार के संरक्षण में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को शहरी समृद्धि के तहत वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जा रहा है, जोकि खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर 2023 को शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा नगर निगम द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन के उद्घाटन और चौथे का शिलान्यास किया था। लेकिन विकसित किए गए सभी वेंडिंग जोन में शिलापट्ट नहीं लगाई गई थी। जिसको लेकर लगातार संघर्ष किया जा रहा था। दोनो वेंडिंग जोन में शिलापट्ट लगाए जाने से उत्साहित स्थानीय लघु व्यापारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। आभार जताने वालों में राजकुमार एंथोनी, मनोज कुमार मंडल, कपिल विश्नोई, नीतीश अग्रवाल, वीरेंद्र कुमार, प्रभात, मोहनलाल, जय भगवान सिंह, चंदन सिंह रावत, मनीष शर्मा, ओमप्रकाश भाटिया, प्रदुमन गुप्ता, विजय गुप्ता, लालचंद सिंह, सोनू, ओम प्रकाश कालियान, पूनम माखन, सुमन गुप्ता, आशा देवी, नम्रता सरकार, सुनीता चौहान, मंजू पाल, पुष्पा दास, कामिनी, सीमा देवी, पार्वती देवी, विद्यावती आदि शामिल रहे।

लोक सेवा आयोग कार्यालय के बाहर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

हरिद्वार। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले अभ्यर्थियों ने नौ सूत्रीय मांगों को लेकर लोक सेवा आयोग कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले युवा विभिन्न परीक्षाओं से जुड़े अभ्यर्थी हैं। इस दौरान उत्तराखंड बेरोजगार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने लोक सेवा कार्यालय में पहुंचकर ज्ञापन विभागीय अधिकारी को सौंपा। विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अभ्यर्थी रविवार को गुरुकुल कांगड़ी के निकट स्थित लोक सेवा आयोग कार्यालय पहुंचे। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के बैनर तले लोक सेवा आयोग कार्यालय परिसर के बाहर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। उत्तरकाशी से आए पवन कुमार, दौलतपुर के रोबिन कश्यप, गौरव, वासु पाल, कपिल, कुणाल गिरी, मदन गिरी, सलमान, सुहैल, परवीन ने बताया कि पुलिस आरक्षी भर्ती के परिणाम 21 मई को आ गए थे। लेकिन प्रतीक्षा सूची आज तक जारी नहीं की गयी। अंकुश ने बताया कि कनिष्ठ सहायक भर्ती की परीक्षा 2022 मार्च में हो चुकी है। लेकिन अभी तक फाइनल रिजल्ट घोषित नहीं किया गया है। ऐसे में हम अभ्यर्थी कब तक परीक्षा परिणाम का इंतजार करते रहें। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के उपाध्यक्ष राम कंडवाल ने बताया कि नौ सूत्रीय मांगों में वन कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा के फाइनल रिजल्ट की जल्द घोषणा, वन आरक्षी भर्ती परीक्षा के परिणाम तत्काल जारी किए जाने, पुलिस आरक्षी भर्ती में योग्य अभ्यर्थियों की प्रतिक्षा सूची जारी करने, एई भर्ती परीक्षा के नकलचियों की सूची वेबसाइट पर सार्वजनिक करने की मांग, पुलिस दरोगा भर्ती में आ रही अड़चनों का समाधान कर विज्ञप्ति जारी करने, अपर निजी सचिव भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति जारी करने जैसी मांग शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

मंगलौर पुलिस ने चोरी के सामान सहित दो रंगे हाथों दबोचे

रुडक़ । मंगलौर कोतवाली पुलिस ने एक स्थान से चोरी करते हुए दो युवकों को चोरी के समान सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस पकड़े गए चोरों का विभिन्न धाराओं में चालान कर जेल भेजने की तैयारी कर रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली मंगलौर पुलिस को सूचना मिली कि पीरपुरा में कुछ व्यक्ति घर में दिनदहाड़े चोरी कर रहे हैं। दिन दहाड़े चोरी कर रहे की धर पकड़ के लिए पुलिस तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंची।पुलिस ने मौके पर दो व्यक्तियों को मय माल के साथ धर दबोचा। पुलिस उन्हें पकड़ कर अपने साथ कोतवाली ले आई। पुलिस को उनके पास से लोहा और मशीन आदि चोरी हुआ सामान बरामद हुआ। पुलिस ने पडे गये चोरों का नाम राहुल पुत्र गिरधारी, आदेश पुत्र मोहर सिंह निवासी ग्राम पीरपुरा कोतवाली मंगलौर हरिद्वार बताया है। चोरों को पकडने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक वीरपाल, हेड कां0अशोक मलिक, कांस्टेबल रोशन शामिल रहे।

पुलिस ने पकड़ी कच्ची शराब की भट्टी

रुड़की। मुखबिर की सूचना पर भिक्कमपुर चौकी प्रभारी मनोज नौटियाल, सिपाही गंगा सिंह और नत्थी सिंह की टीम ने रणजीतपुर गांव के पास गन्ने के खेत में दबिश दी। इस दौरान मिथुन निवासी जसपुर रणजीतपुर वहां भट्टी लगाकर कच्ची शराब बनाते हुए पकड़ा गया। टीम ने 40 लीटर कच्ची शराब, करीब 1500 लीटर लाहन, रसोई गैस का सिलेंडर, चूल्हा और भट्टी के अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

एक प्रदेश एक नियम को लेकर 21 को किसान निकालेंगे आक्रोश रैली

रुडक़ी। भाकियू क्रांति अराजनैतिक ने 21 जनवरी को एक प्रदेश एक नियम की मांग को लेकर आक्रोश बाइक रैली निकालने की घोषणा की है। यूनियन ने कहा है कि नवीन सब्जी मंडी से तहसील तक रैली निकाली जाएगी। इसके बाद जेएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। नवीन सब्जी मंडी के कृषि मंडी कार्यालय परिसर में वार्ता में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास सिंह सैनी ने कहा कि उत्तराखंड में हर चीज में दो-दो नियम बनाए जाते हैं। कहा कि यहां दो राजधानी देहरादून में और गैरसैंण हैं। ठीक इसी प्रकार यहां सुगम और दुर्गम है। इसके हिसाब से कानून बनाए जाते हैं। स्थाई और मूल निवास भी अड़चन है। कहा कि एक राज्य में दो तरह के प्रमाण पत्र देना भेदभावपरक है।